...खुल गई 'एआर' 'डीएस' और 'सचिवों' की 'पोल'

न खाते में पैसा और न गोदामों में खाद, आखिर कहां गया आरकेवीवाई का करोड़ों, 97 में से एक भी समिति के खाते में योजना का पांच लाख नहीं, किसी के खाते में एक हजार तो किसी में दो हजार

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...अब तो धीरे-धीरे यह साबित होने लगा है, कि सहकारी समितियां में आरकेवीआई का करोड़ों रुपया या तो गबन हो गया या फिर पैसे को कहीं और खर्च कर दिया गया। कम से कम पीसीएफ की ओर से समितियों के जो बैलेंससीट दिया गया, उसके अनुसार 97 समितियों के पास मात्र 83.27 लाख योजना का जमा है, जबकि इनके खाते में चार करोड़ 85 लाख बैलेंस होना चाहिए।

अगर इनमें एक करोड़ 48 लाख, जिसे पीसीएफ, जिला सहकारी बैंक को वापस कर चुका है, उसे भी घटा दिया जाए तो कुल मिलाकर दो करोड़ 31 लाख का हिसाब पीसीएफ के पास हैं, अब सवाल उठ रहा है, कि आखिर अवशेष दो करोड़ 54 लाख कहां गया? सवाल तो यह भी उठ रहा है, कि पीसीएफ ने जो योजना का एक करोड़ 48 लाख बैंक को वापस किया, उसका समितिवार हिसाब क्यों नहीं दिया गया, आखिर यह रकम किस समिति की है, यह कैसे पता चलेगा?। हैरान करने वाली, पीसीएफ की ओर से उन 97 समितियों का बैलेंससीट जारी किया गया, जिसमें किसी समिति के पास एक हजार तो किसी के पास दो तो किसी के पास तीन हजार जमा है। दो समितियों तो ऐसी है, जिनका खाता ही जीरो है।

भले ही एआर ने समितियों पर मौजूद खाद का सत्यापन कराने के लिए जिलेभर के एडीसीओ और एडीओ को ब्लॉकवार लगा रखा हैं, मगर अभी तक एक भी समिति का सत्यापन नहीं हुआ, जबकि यह आदेष 28 फरवरी 24 को जारी हुआ, और सत्यापन रिपोर्ट एक सप्ताह में प्रस्तुत करने को कहा गया। इससे पहले भी इसी तरह का आदेश एआर के द्वारा जारी किया जा चुका है, लेकिन उसका पालन किसी भी एडीसीओ और एडीओ ने नहीं किया। यह हम नहीं बल्कि खुद एआर कह रहें है। वैसे भी इस तरह के आदेश और निर्देश का कोई भी मतलब नहीं हैं, क्यों कि एआर, डीएस, एसीडीओ और एडीओ को भी अच्छी तरह मालूम हैं, कि समितियों पर आरवीवाई के पैसे का कितना स्टाक हैं, पैसे के दुरुपयोग की भी जानकारी सभी को हैं, यह भी मालूम हैं, कि समितियों के गोदामों में कितना का स्टाक होगा?

स्टाक न होने के पीछे यह कहा जा रहा है, कि समितियों ने जो भी खाद दिसंबर 23 और जनवरी 24 में पीसीएफ से खरीदा होगा, वह बेच दिया होगा, और अब तो गेहूं पक रहा है, और अगर मान लीजिए कि किसी समिति के पास स्टाक भी होगा तो वह पूरा नहीं होगा, क्यों कि समितियों के पास इतना स्थान भी नहीं कि वह सैकड़ों क्विंटल धान और खाद का स्टाक कर सके। 80 से 90 फीसद समितियों के पास पांच लाख और उनके बैंलेस के सापेक्ष स्टाक नहीं होगा। ऐसा दावा विभाग के लोग और किसान कर रहे है। चूंकि समितियों के गोलमाल में पूरी तरह एआर, पीसीएफ के डीएस, एसीडीओ और एडीओ शामिल रहतें हैं, इस लिए इनमें कोई नहीं चाहता कि किसी समिति के सचिव के खिलाफ कोई कार्रवाई हो या फिर इन्हें एफआईआर दर्ज कराना पड़े। पीसीएफ के डीएस को एक अक्टूबर 23 के सत्यापन के बाद ही आरकेवीवाई योजना का चार करोड़ 85 लाख जिला सहकारी बैंक को वापस कर देना चाहिए था, मगर करेंगे कहां से जब पैसा होगा तभी तो करेंगे।

इस दिशा में एआर ने भी भरपूर प्रयास नहीं किया, वरना करोड़ों रुपये के हिसाब के लिए आज परेशान न होना पड़ता। रही बात समितियों के सचिवों के ईमानदार होने/न होने की तो अगर यह इस योजना के पैसे के प्रति इतना ही ईमानदार होते तो आज इनके खाते में हजार-दो हजार के स्थान पर पांच लाख होता। सबसे खराब स्थित बी-पैक्स सिकंदरपुर और बी-पैक्स कप्तानगंज समिति की है, इनके खाते में एक नया पैसा नहीं है। वहीं दूसरी तरफ बी-पैक्स घमौरा, मनिकौराकला, मुंडेरवा, देवरियामाफी, सहसराव और करमापिपरा समिति के खाते में एक, दो और तीन हजार है। सबसे अधिक बैलेंस बी-पैक्स विशुनपुर में चार लाख 67 हजार है। बैलेंस न होने के पीछे बताया जा रहा है, कि अधिकांश समितियों के सचिवों ने आरकेवीआई का पैसा दो नंबर के धान खरीद में लगा दिया।

- जिन समितियों के खाते में एक-दो हजार बैलेंस है, उन समितियों ने चार लाख 99 हजार का क्या किया
- खाद इस लिए कोई गोदाम में नहीं रखेगा क्यों कि गेहूं पक रहा है, और अब खाद की आवष्यकता ही नहीं
- बी-पैक्स सिकंदरपुर और बी-पैक्स कप्तानगंज समिति के खाते में एक नया पैसा नहीं
- बी-पैक्स घमौरा, मनिकौराकला, मुंडेरवा, सहसराव और करमापिपरा समिति पर तो मात्र एक से लेकर तीन हजार बैलेंस

....यह है, 'एआर' के 'समितियों' का 'सच'

राष्ट्रीय फॉलोअप खबर

मरवटिया बाबू आठ हजार, भरौली बाबू 37 हजार, पांडेय बाजार नौ हजार, कटरा बुजुर्ग 1.26 लाख एवं बनकटी के पास 37 हजार, बायपोखर 18 हजार, बागडीह 18 हजार, सिसवारीमुगल 1.32 लाख, घमौरा एक हजार, रानीपुर 1.81 लाख, गंधरियरराज 3020 लाख, देवरियामाफी एक हजार, मझौवामीर 89 हजार, महसिन 14 हजार, कलवारी 52 हजार, नगरबाजार 1.04 लाख, पिपरागौतम 2.08 लाख, बहादुरपुर 1.70 लाख, अमानाबाद टिकरिया 31 हजार, बोकनार सोभनपार छह हजार, मोहनाखोर 86 हजार, खोरिया बसौढ़ी 18 हजार, जयनगराएकमा 1.40 लाख, पकड़ीचंदा 17 हजार, महथासजहरा 28 हजार, चित्राखोर 24 हजार, बाघापार तेनुआ 3.68 हजार, मनिकौराकला 12 हजार, मुंडेरवा दो हजार, सजनाखोर 1.82 हजार, बानपुर 10 हजार, सिकंदरपुर बैडारी 2.03 लाख, कुदरहा 1.52 लाख, परमेष्वरपुर पिपराराज 4.37 लाख,गायघाट 3.13 लाख, जोधीजोत 2.38 लाख, सुरुवारकला 39 हजार, बसडीला 2.23 लाख, रुधौली 1.08 लाख, दसिया 14 हजार, पड़री 35 हजार, भिरियाऋगुराज 17 हजार, सल्टौआ 1.21 लाख, कोठिला 1.36 लाख, पिपराजप्ती 2.75 लाख, भानपुर 25 हजार, सगरा 12 हजार, मोहम्मदपुर 39 हजार, आदमपुर 4.24 लाख, बैरागल 96 हजार, भरकहवा नौ हजार, पारा 18 हजार, सूदीपुर पांच हजार, समौढ़ा 66 हजार, नेवादा 80 हजार, ठाकुरपुर 1.72 लाख, दुबेड़ी 1.29 लाख, खम्हरिया 70 हजार, हरिगांव 18 हजार, रोहदा 79 हजार, सिकंदरपुर जीरो, बडहरखुर्द 3.25 लाख, पिकौरा चैधरी 17 हजार, मझौवाबाबू 95 हजार, उभाई 74 हजार, बडेरियाकुंवर 19 हजार, पुरैनाखास 1.11 लाख, किषुनपुर 1.23 लाख, बेलाडेषुक्ल 99 हजार, सहसराव दो हजार, तुर्सी 1.70 लाख, षंकरपुर 10 हजार, पचवस हियारुपुर आठ हजार, सुकरौलीपांडेय 30 हजार, कवलपुर जीरो, आनंदपुररूपगढ़ नौ हजार, तालागांव 45 हजार, खम्हरिया 12 हजार, रमवापुर कुचरु 1.61 लाख, कठवतियासांऊडीह 1.14 लाख, सांवडीह 28 हजार, बभनकटास तीन हजार, डेगरहा 68 हजार, अभयपुर 16 हजार, करमापिपरा अ तीन हजार, भरवलिया 1.35 लाख, पेडरिया 27 लाख, महुवाडाबर 13 हजार, परासडीह 31 हजार, सेमरा 60 हजार, हरदी 2.53 इलाख, कप्तानगंज जीरो, विषुनपुर 4.67 लाख, महराजगंज नौ हजार एवं नैयकापार हर्रैया के खातें में मात्र 98 हजार जमा है। इस तरह 97 समितियों का पीसीएफ में आरकेवीवाई का 83 लाख 27 हजार, चार करोड़ 85 लाख के सापेक्ष जमा है।

...यहां पर 'सच्चे' दिल से 'मांगी' गई हर 'मुराद' पूरी होती है!

सदियों से आस्था का केंद्र बना झारखण्डेश्वर नाथ धाम

तेजयुग न्यूज

बस्ती। जनपद के दक्षिणाँचल में स्थित पौराणिक राम जानकी मार्ग पर बसे गायघाट कस्बे का झारखण्डेश्वर नाथ धाम सदियों से आस्था का केंद्र बना हुआ है। वैसे तो पूरे वर्ष भर यहाँ पर विभिन्न प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन होते रहते हैं। लेकिन महाशिवरात्रि और सावन माह में यहाँ

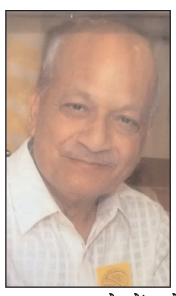

शिवभक्तों का ताँता लगा रहता है। यहाँ पर सच्चे दिल से मांगी गई हर मुरादें पूरी होती हैं। जन श्रुतियों के अनुसार गायघाट कस्बे में बने राम जानकी मंदिर के महंत बाबा हनुमान दास की तीसरी पीढ़ी के संत बाबा चेतनदास नें ग्रामीणों की सहायता से इस स्थान पर विशेष मंदिर और यज्ञ मंडप का निर्माण करावाया था।

इसके बाद बर्ष 2008 ईस्वी में तत्कालीन ग्राम प्रधान सुमन देवी नें लगभग सात लाख रुपये की लागत से यहाँ पर मॉडल तालाब, सीढ़ियां, और बच्चों के खेलने के साधन जैसे झूला, स्टैंड, गोल चक्कर आदि का निर्माण कराया। यहाँ पर कुश्ती, कबड्डी और अखाड़ों का प्रशिक्षण दिया जाने लगा। स्वस्थ तन और मन के साथ यहां से निकल कर युवा प्रशासन, सेना व नागरिक पुलिस सेवा आदि में भर्ती हुए। एक तरह से यह कहा जाय कि यहाँ पर लोगों की मुरादें पूरी होने के बाद देखते ही देखते इस स्थान की महिमा दूर दराज के क्षेत्रों में भी फैल गई। इतना ही नहीं संत कबीर नगर, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, सहित अन्य गैर जनपदों से भी श्रद्धांलू यहाँ आने लगे और मनोवांछित फल मिलनें पर पूजा पाठ, हवन पूजन, कथा वार्ता आदि का अनुष्ठान करने लगे। वर्ष 2019 में नगर पंचायत के गठन के बाद पर्यटन विभाग नें भी इसके जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया। और लगभग दो करोड़ 83 लाख रुपये की लागत से धर्मशाला, प्रवेश द्वार का नवनिर्माण व अमृत तालाब का जीर्णोद्धार करवाया।

इस बारे में बात करने पर पियारेपुर निवासी पूर्व कृषि महानिदेशक जोखू प्रसाद त्रिपाठी नें बताया कि झारखण्डेश्वर नाथ की महिमा अपरम्पार है। इनकी कृपा से मुझ जैसे एक मामूली किसान को प्रदेश के कृषि महानिदेशक जैसे गौरवपूर्ण पद पर रहकर सेवा करने का मौका मिला। समाजसेवी बाल कृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि इस शिवलिंग पर जलभिषेक कर सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। इनकी कृपा से हमारा पूरा परिवार सरकारी सेवा में रहकर समाज सेवा कर रहा है। वहीं व्यवसायी राकेश अग्रहरी ने कहा कि इस धाम में रहस्यमयी शिव लिंग के दर्शन मात्र से मन में असीम शांति का अनुभव होता है। इनकी महिमा दूर दराज तक फैली हुई है। पर्यटन का केंद्र बनने से रोजगार में भी काफी विकास हो रहा है।

सैकड़ो वर्षो पूर्व कुदरहा विकास खंड के गायघाट कस्बे के राम जानकी मंदिर के महंथ हनुमान दास ने सपने में देखा कि गांव के उत्तर दिशा में पोखरे के पास एक चमकदार पत्थर पड़ा हुआ है। जिसमें से एक विशेष प्रकार की रोशनी निकल रही है। सुबह होते ही यह बात पूरे गांव में फैल गयी। इस बात की सच्चाई जानने के लिए उस स्थान पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने वहां जाकर देखा तो झाड़ियां के बीच पीपल के पेड़ की जड़ में वह चमकदार पत्थर दिखाई दिया। लोगों ने उसे पत्थर को निकालने का असफल प्रयास किया। मंदिर के महंत बाबा हनुमान दास ने लोगों से कहा कि यह एक अलौकिक शिवलिंग है। तभी से भगवान भोलेनाथ के प्रति जागृत हुई पूजा पाठ करने लगे। इस स्थान से तमाम लोगों को पुत्र प्राप्ति के अलावा नौकरी और शिक्षा में भी सफलता मिली। मनोकामना पूरी होने के बाद श्रद्धालु यहां पर पूजा पाठ, भंडारा, आदि धार्मिक अनुष्ठान करने लगे।

पीपल के वृक्ष को क्या कर निकाल शिवलिंग पेड़ के साथ-साथ बढ़ता गया। जमीन से इस शिवलिंग की ऊंचाई वर्तमान में लगभग 13 फिट है। आश्चर्य की बात यह है की पीपल के पेड़ के तीन भाग होने के बाद भी आज तक यहां पेड़ हरा भरा बना हुआ है। इतना ही नहीं इस शिव लिंग पर नाग की आकृति भी उभरी हुई है। जो कि आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।जिला मुख्यालय से झारखंडेश्वर नाथ धाम की दूरी महज 28 किलोमीटर है। शहर के कचहरी टैक्सी स्टैंड से राम जानकी मार्ग पर गायघाट बाजार आना होता है। बाजार से महज सौ मीटर पैदल चलकर इस रहस्यमयी शिव मंदिर पर पहुँवा जा सकता है।

सड़क दुर्घटना में घायल अधेड़ व्यक्ति की हुई मौत

ऊंचाहार/रायबरेली : मंगलवार की शाम सड़क दुर्घटना में घायल हुए अधेड़ की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। पूरे देवी बख्श मजरे खरौली गाँव निवासी भोलाराम यादव 50 वर्ष क्षेत्र के पट्टी रहस कैथवल गाँव के पास चल रहे बाईपास निर्माण में मजदूरी कर रहा था, जो मंगलवार की शाम काम खत्म करके साइकल से घर वापस लौट रहा था, तभी खरौली तिराहे के पास ट्रैक्टर ट्राली ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे सड़क पर गिरकर वो गम्भीर रूप से घायल हो गया, राहगीरों की मदद से उसे सीएचसी लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया ,जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, बुधवार की सुबह परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। कोतवाल अनिल कुमार सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है, अग्रिम विधिक कार्यवाई की जा रही है।

'नीलम सिंह' ने जारी किया 'नागरिक सुविधाओं वाला एक 'घोषणा' पत्र

नागरिक अधिकारों को बढ़ाना लोकतंत्र का सम्मान : राना दिनेश

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...अगर किसी संस्था में समयवद्ध तरीके से शिकायतों का निस्तारण और सुविधाएं मिलनी लगे तो इससे पता चलता है, कि वह संस्था आपने सम्मानित नागरिकों के लिए कितना चिंतित है। कुछ इसी तरह की चिंता नगर पंचायत नगर के चेयरर्पन नहलम सिंह ने क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों के प्रति देखने को मिली। वैसे ही क्षेत्र के लोगों के लिए यह नगर पंचायत आइडिएल बनता जा रहा है। बुद्ववार को नगर पंचायत नगर में सिटिजन चार्टर लागू हो गया। चेयरर्पन ने इसका विधिवत शुभारंभ करते हुए कहा कि अब नगर पंचायत सम्बन्धी कार्यो और शिकायतों के निस्तारण के दिवस निश्चित कर दिए गए हैं।

यह नागरिक सुविधाओं का घोषणा पत्र है, जिसका लाभ आम आदमी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आवेदन पत्रों और शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण में लापरवाही करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाएंगी। पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं भाजपा नेता राना

दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि नागरिक अधिकारों को बढ़ाना लोकतंत्र का सम्मान है। उन्होंने कहा कि अमर शहीद की पवित्र भूमि नगर पंचायत नगर को देश के नक्शे पर स्थापित करना हम सभी का दायित्व है। श्री राना ने इसे विकसित भारत संकल्प यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी बताया। इस अवसर पर सभासद संजय सोनकर, विजय जायसवाल, राजेश पाण्डेय, राज कुमार चैधरी,राम सजन यादव, नियाज अहमद, बिंदूलाल, तुलसीराम, अखिलेश यादव, विजय सहनी, दिनेश चैरसिया, बिरेंद्र कुमार, यशराज केके, संदीप कुमार, सत्यराम निषाद, देवेश धर द्विवेदी, राकेश पाण्डेय, भाजपा नेता डा अनिल श्रीवास्तव, नागेंद्र सिंह, राकेश पाण्डेय, धर्म प्रकाश श्रीवास्तव, देवेश

धर द्विवेदी, दिलीप शर्मा, सतीश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

'महाशिवरात्रि' के दिन 'मालामाल' होगीं ग्राम 'पंचायतें'

आठ मार्च को अर्धकुशल/कुशल श्रमिकों और 11 मार्च को सामग्री मद पर होगा भुगतान

तेजयुग न्यूज

बस्ती।...अगर इंटरनेट ने साथ दिया तो बस्ती में आठ और 11 मार्च को मनरेगा के धन की वर्षा होने वाली है। इसी का दिन प्रधान, सचिव, रोजगार सेवक और मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी कर रहे थे। लगभग पिछ्ले छह से अधिक समय से मनरेगा में भुगतान नहीं हो रहा था, जिसके चलते प्रधानों को सूखा सा हो गया था।

कुछ दिन पहले पूरे प्रदेश का 10 करोड़ मिला था, मगर जैसे ही जिले के अधिकारियों ने क्लिक किया, वैसे ही तत्काल टिकट तरह खिड़की बंद हो गया। इस बार भी कुछ ऐसा होने वाला है। सच पूछिए इस भुगतान की प्रतीक्षा प्रधान और बीडीओ तो कर ही रहे थे, अधिकारी और क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष भी कर रहे है। क्यों कि बहुत दिन से मनरेगा में तगड़ा बखरा नहीं मिला था।

आयुक्त ग्राम्य विकास की ओर से जारी पत्र में कहा गया है, कि भारत सरकार ने अर्धकुशल/कुशल श्रमिकों के लिए 150 करोड़ और सामग्री मद के लिए 450 करोड़ जारी किया है। कहा गया कि सबसे पहले आठ मार्च को दिन में 12 बजे तक 150 करोड़ और उसके बाद 11 मार्च कों दिन में 12 बजे तक 450 करोड़ का भुगतान आनलाइन के जरिए होगा। देखा जाए तो सबसे अधिक भुगतान बस्ती में होने की संभावना हैं, इस भुगतान के बाद अगर किसी अधिकारी का तबादला भी हो जाता है, तो उसे चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं, कपड़ों के बैग के साथ वह नोटों वाला बैग भी ले जा सकेंगे। आदेश में स्पष्ट कहा गया है, कि जो भी भुगतान होगा वह 60-40 के अनुपात में ही होगा। इसकी खबर लगते ही जिले भर के बीडीओ तैयारी में जुट गए हैं, जिन्हें अवकाश या फिर कहीं और जाना था, उन्होंने प्रोग्राम को स्थगित कर दिया। यह है, बखरे का कमाल।

- भारत सरकार ने जारी किया छह सौ करोड़, 150 करोड़ कुशल/अर्धकुशल श्रमिकों और 450 करोड़ सामग्री पर होगा भुगतान
- यह भुगतान दिन में 12 तक ही होगा, इस लिए कार्यक्रम अधिकारी तैयार हो जाए नही तो हाथ मलते रह जाएगें
- दोनों मदों में सबसे अधिक भुगतान बस्ती के 14 क्षेत्र पंचायतों में होने वाला

'दो करोड़' से होगा 'भानपुर' का उकड़ा 'हनुमान मंदिर' का 'जीर्णाद्धार'

भाजपा नेता नितेश शर्मा ने क्षेत्रवासियों की ओर से सांसद हरीश द्विवेदी को आभार प्रकट किया

- नगर विकास के वंदन योजना के तहत उकड़ा हनुमान मंदिर का हुआ चयन

तेजयुग न्यूज

बस्ती। सांसद हरीश द्विवेदी के प्रस्ताव पर भानपुर नगर पंचायत क्षेत्र के उकड़ा हनुमान मंदिर का चयन उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास विभाग द्वारा वंदन योजनांतर्गत किया गया है। दो करोड़ की लागत से सुसज्जित होगा उकड़ा हनुमान मंदिर। सांसद हरीश द्विवेदी ने भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य नितेश शर्मा के अनुरोध पर दिनांक 25 अक्टूबर 2023 को उकड़ा हनुमान मंदिर को नगर विकास विभाग द्वारा वंदन योजना के तहत विकसित करने का पहल किया था।

भाजपा नेता नितेश शर्मा ने बताया कि योजना के तहत मंदिर परिसर की लाइटिंग, पेयजल, टॉयलेट, साफ-सफाई, बेंच, संपर्क मार्ग, विश्राम स्थल, शेड, पेंटिंग, इंटरलॉकिंग, परिक्रमा पथ तथा छठ घाट आदि का निर्माण होगा। जिसके लिए प्रदेश सरकार ने दो करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। भाजपा नेता नितेश शर्मा ने इस स्वीकृति पर क्षेत्रवासियों की ओर से सांसद हरीश द्विवेदी का आभार प्रकट किया।

भानपुर नगर पंचायत कार्यालय प्रभारी अविनाश मिश्र मंचल ने बताया कि सांस्कृतिक, पौराणिक, ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों के विकास के लिए नगर विकास विभाग द्वारा उकड़ा हनुमान मंदिर तथा सरोवर को 'वंदन' योजना के तहत विकसित करने की स्वीकृति मिली है। शीघ्र शिलान्यास करके विकास कार्य का शुभारंभ होगा।

अज्ञात करणों से लगी आग, समान जलकर खाक

ऊंचाहार/रायबरेली : अज्ञात कारणों से छप्पर में लगी आग से उसके नीचे रखे हजारों कीमत की गृहस्थी जलकर राख हो गई, सूचना पर पहुंचकर क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा नुकसान का आकलन किया गया है। मामला क्षेत्र के हरबन्धनपुर मजरे जब्बारीपुर गाँव का है, जहां गाँव निवासी अखिलेश कुमार के घर के बाहर रखे छप्पर में बुधवार की दोपहर अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई, जब तक आसपास मौजूद लोगों द्वारा आग पर काबू पाया जाता, तब तक उसके नीचे रखे, कपड़े, बिस्तर व अनाज आदि हजारों कीमत की गृहस्थी जलकर राख हो गई।सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल अज तिवारी ने नुकसान का आकलन किया है। पीड़ित के मुताबिक तकरीबन 20 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

अबकी बार चार सौ पार : स्मृति ईरानी

तेजयुग न्यूज

सलोन/रायबरेली : अमेठी सांसद स्मृति इरानी बुधवार को सलोन पहुंची जहां उन्होंने कहा कि अबकी बार मोदी सरकार इस बार का नारा है एक बार फिर मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार। इस दौरान कुछ दिन पहले कांग्रेस के एक नेता राहुल देव सिंह कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था जो स्मृति ईरानी के साथ मंच पर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। स्मृति ईरानी ने सुस्की लेते हुए कहा कि शायद इतिहास में पहली बार ऐसा होगा की स्मृति ईरानी और राहुल एक साथ मंच पर हों। इसके साथ लोकसभा 2024 को लेकर अमेठी में स्मृति ईरानी का शंखनाद भी हो गया है।

स्मृति ईरानी सलोन विधानसभा क्षेत्र में आयोजित महिलाओं की खेल कूद प्रतियोगिता में पुरस्कार देने पहुंची थी। इस मौके पर स्मृति ईरानी द्वारा 26 सड़कों का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की दौड़ प्रतियोगिता में 30 हजार महिलाओं ने दौड़ लगाई तो साथ ही रायबरेली में

विवेक सिंह जैसे नेता द्वारा कोऑपरेटिव बैंक में 20 हजार से अधिक महिला सदस्यों को एक साल में जोड़ा गया। महिलाएं संस्कार लेकर भी चलती हैं और सफलता का भी ख्याल करती हैं। खेलकूद की प्रतियोगिता में भाग लेकर हम अपनी बेटियों को पुरुषों के मुकाबले मजबूत बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जो 50 साल में ना हो सका वह हमने 5 साल में वादा पूरा करके दिखाया है। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने मंच पर कहा की शायद यह राहुल गांधी को समझ ना आए लेकिन यहां बैठे राहुल को जरूर समझ आएगा कि अटल बिहारी वाजपेई जी ने कहा था।